'चावल खरीद में हो रहा घोटाला'

भाजपा पर बरसे कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : प्रदेश के पूर्व मंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा के किसानों से मंडियों में धान 1300 रुपये से 1400 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा जा रहा है मगर उन्हें फार्म-जे 1450 रुपये प्रति क्विंटल का दिया जा रहा है। किसानों को 150 रुपये प्रति क्विंटल कम दिया जा रहा है, वहीं करोड़ों रुपये का घोटाला हो रहा है। इस घोटाले के लिए मनोहर सरकार जिम्मेवार है।

सुरजेवाला ने कहा कि करनाल की मंडी में किसानों ने मुख्यमंत्री को यह सच्चाई बताई मगर उन्होंने लीपापोती कर दी और जांच के आदेश दिए बगैर वहां से चले गए। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी और हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार बनने के बाद से ही किसान लगातार पिट रहे हैं। उन्हें फसल का न तो वाजिब दाम मिल रहा है और न ही खाद एवं बीज।

सुरजेवाला ने कहा कि धान में 20 फीसद नमी बताकर मंडियों में किसानों को ठगा जा रहा है। कोई बारिश नहीं हुई है तो धान में नमी कहां से आ गई? यह किसानों को सिर्फ परेशान करने वाला कदम है। कांग्रेस शासनकाल में धान की 1121 और 1509 किस्मों को बासमती धान घोषित करवाया गया था। कांग्रेस शासनकाल में धान की 1121 और 1509 किस्में 4500 रुपये प्रति क्विंटल बिकती रही हैं मगर इस साल 1200-1300 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही हैं। सरकार ने धान की 1509 किस्म को न्यूनतम समर्थन मूल्य 1450 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का फैसला कर रखा है मगर मंडियों में किसानों से 1200-1300 रुपये प्रति क्विंटल खरीदा जा रहा है। धान की मूछल और 1121 किस्मों का रेट भी बहुत कम मिल रहा है। किसानों की ऐसी दुर्गति भाजपा शासनकाल में हुई है।

खाड़ी देशों के प्रति मोदी की नकारात्मक नीति गिर रहा निर्यात

सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी की खाड़ी देशों के प्रति नकारात्मक नीति के कारण बासमती चावल का निर्यात गिरा है। इसलिए पिछले साल बासमती चावल 2200 रुपये प्रति क्विंटल बिका था जबकि कांग्रेस शासनकाल में 6500 रुपये प्रति क्विंटल बिकता रहा। अब बासमती चावल मंडियों में आने वाला है। मनोहर और मोदी सरकार की नीतियों को देखकर लग रहा है कि बासमती चावल इस साल भी पिटेगा और यह 1800 रुपये प्रति क्विंटल तक रहने वाला है।